भारी बारिश से एक हफ्ते में सारे जलाशय भरे

नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली, दिनांक 24.08.2020

देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की वजह से 123 जलाशयों में एक हफ्ते में ही 17 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बढ़ गया है। इन जलाशयों की मॉनिटरिंग कर रही सेंट्रल वॉटर कमीशन (सीडब्लयूसी) की रिपोर्ट के अनुसार 20 अगस्त तक जलाशयों में 109,937 बीसीएम पानी स्टोर हो चुका है। यह कुल क्षमता का करीब 64 फीसदी है। अहम यह है कि 13 अगस्त को इनमें सिर्फ 92,916 बीसीएम पानी था। दक्षिण भारत में सीडब्ल्यूसी 36 जलाशयों की मॉनिटरिंग करती है। यह आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडू में है। इनमें 34.47 बीसीएम पानी है जो क्षमता का करीब 61 प्रतिशत है। इनमें से पांच डैम पूरी तरह भर चुके है। इसलिए इन्हें काफी सावधानी के साथ मैनेज करने की जरूरत है। इन पांच में से चार कर्नाटक और एक तमिलनाडु में है।

19 अगस्त को सीडब्ल्यूसी की एडवाइजरी के मुताबिक कृष्णा, भीमा और तुंगभद्रा बेसिन की मॉनिटरिंग की जानी चाहिए। अगर यहां बहाव ज्यादा होता है तो डैम से अधिक पानी छोड़े जाने की जरूरत है। डैम से पानी छोडे जाने की जानकारी महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संबधित अथॉरिटी को पहले दिए जाने की जरूरत है। एडवाइजरी के अनुसार कृष्णा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ने का अनुमान है जिसकी वजह से डैम में पानी बढ़ सकता है। गोदावरी नदी में भी जलस्तर बढ़ने की चेतावनी दी गइै है। इस समय महाराष्ट्र का एक जलाशय पूरा भर चुका है, जबकि हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, झारखंड और मध्य प्रदेश के डैम में सामान्य से नीचे पानी है। यह जलाशयों से पानी छोड़े जाने या फिर बारिश की कमी की वजह से हो सकता है। जबकि गंगा, गोदावरी, महानदी, तापी और कृष्णा में सामान्य से अधिक पानी है। सिंधु और साबरमती बेसिन में सामान्य से कम स्टोरेज है। जबकि माही नदी बेसिन में सामान्य से कम पानी है।